दिशा (CH-4) Detailed Summary || Class 12 Hindi अंतरा

पाठ का परिचय

- इस कविता की रचना केदारनाथ सिंह द्वारा की गई है।
- इस कविता में कवि पतंग उठते बच्चों से हिमालय की दिशा पूछता है तो वह बच्चे बड़े उत्साह से जिस दिशा में उनके पतंग उड़ रही है उस तरफ इशारा करते हुए कहते हैं कि इसी दिशा में हिमालय है।
- इस कविता में मुख्य रूप से बच्चों के मनोविज्ञान को दर्शाया गया है

हिमालय किधर है?

मैंने उस बच्चे से पूछा जो स्कूल के बाहर

पतंग उड़ा रहा था

उधर-उधर – उसने कहा

जिधर उसकी पतंग भागी जा रही थी

मैं स्वीकार करूँ

मैंने पहली बार जाना

हिमालय किधर है?

स्कूल के बाहर पतंग उड़ाते हुए कुछ बच्चों से कवि जब हिमालय की दिशा पूछते हैं तो पतंग उड़ाते उड़ाते वह बच्चे उसी ओर इशारा करते हैं जिस दिशा में उनकी पतंग उड़ रही है और कहते हैं कि हिमालय उसी और है

बच्चों का जवाब सुनकर कवि यह स्वीकार करते हैं कि जीवन में पहली बार उन्हें पता चला कि वास्तव में हिमालय किस ओर है।

वैसे तो कभी को पता था कि हिमालय उत्तर दिशा में है पर फिर भी वह बच्चों के जवाब को स्वीकार कर लेते हैं

उस दौरान बच्चे पतंग उड़ा रहे थे इसी वजह से उन्हें केवल उनकी पतंग ही दिखाई दे रही थी और जब कवि द्वारा उनसे हिमालय की दिशा पूछी गई तो उन्होंने पतंग की ओर इशारा करते हुए कहा कि हिमालय भी उसी ओर है

इस कविता के द्वारा कवि ने बच्चों की मनोवैज्ञानिक स्थिति को दर्शाया है जिसके अंतर्गत एक बच्चा अपनी दुनिया में अपनी इच्छाओं के अनुसार जीवन जीता है

https://www.evidyarthi.in/